GULAB CHANDRA PRASAD AGRAWA COLLAGE, SADMA

Nilamber -Pitamber University

Medininagar (Palamu)

PROJECT FILE

SESSION 2019-2022

SEMESTER -5

CC11 - CC12

NAME	:-	RANJAN KUMAR
ROLL NO.	:-	200230500436
REG.NO.	:-	NPU/05441/19
SUBJECT	:-	GEOGRAPHY

ACKNOWLEDGEMENT

The success and final outcome of this project required a lot of guidance and assistance from many people and I am extremely privileged to have got this all along the completion of my project. All that I have done is only due to such supervision and assistance and I would not forget to thank them.

I would like to express my special thanks of gratitude to my subject teacher as well as our **PROJECT NAME IS RESEARCH OF NETARHAT**. Who gone me the golden opportunity to do this wonderful project which also helped me in doing a lot of research and I come to know about so many mew things I am really thankful to them.

Secondly, I would also like to thank my parents and friend who helped me a lot in finalizing this project within the limited time frame. I am thankful to and fortunate enough to get constant, encouragement, support and guidance from our principle, teacher, Parents and friend who helped me is successful completing my project work in limited time.

ACKNOWLEDGEMENT

The success and final outcome of this project required a lot of guidance and assistance from many people and I am extremely privileged to have got this all along the completion of my project. All that I have done is only due to such supervision and assistance and I would not forget to thank them.

I would like to express my special thanks of gratitude to my subject teacher as well as our **PROJECT NAME IS RESEARCH OF NETARHAT**. Who gone me the golden opportunity to do this wonderful project which also helped me in doing a lot of research and I come to know about so many mew things I am really thankful to them.

Secondly, I would also like to thank my parents and friend who helped me a lot in finalizing this project within the limited time frame. I am thankful to and fortunate enough to get constant, encouragement, support and guidance from our principle, teacher, Parents and friend who helped me is successful completing my project work in limited time.

परिचय :-

झारखंड, अपने गठन के समय, अर्थव्यवस्था, उत्पादकता, आजीविका की स्थिति आदि जैसे कई प्रमुख विकास संकेतकों में अखिल भारतीय औसत से पीछे रह गया। इसके बाद, इसने राज्य के जन्म से यानी 15 नवंबर 2000 से एक प्रभावशाली प्रगति की है। हालांकि, विभिन्न विकास कार्यक्रम अंतर को कम कर रहे हैं लेकिन यह अभी भी बना हुआ है। नेतरहाट झारखंड राज्य के लातेहार जिले में एक लोकप्रिय हिल स्टेशन पर्यटन स्थल है जिसे लोकप्रिय रूप से "चोटनागपुर की रानी" (छोटानागपुर की रानी) के रूप में जाना जाता है। समशीतोष्ण जलवायु के साथ ऊंचाई के लाभ के कारण, नेतरहाट को राज्य में प्रमुख फल उगाए गए क्षेत्र में से एक के रूप में विकसित किया गया है, विशेष रूप से नाशपाती की खेती में। नेतरहाट की कुल आबादी 1497 है, जिसमें से 789 पुरुष हैं और 266 परिवारों में से 708 महिलाएं हैं। एक आजीविका में जीवन यापन के साधनों के लिए आवश्यक क्षमताओं, परिसंपत्तियों और गतिविधियों को शामिल किया जाता है। इस प्रकार, आजीविका की स्थिति पर अक्सर एक व्यापक शब्द में चर्चा की जाती है ... tudy क्षेत्र कई आदिवासी आबादी की मातृभूमि है और वे सार्वजनिक सुविधाओं में से कई से अलग कर रहे हैं। इसलिए, जनजातीय आबादी के लिए जीवन स्तर में सुधार के साथ विकसित होना अब एक महत्वपूर्ण शर्त है जिसमें अधिकांश आबादी सामाजिक-आर्थिक विकास की प्रक्रिया में भाग ले सकती है। इसलिए, आजीविका विकास किसी भी कबीले के साथ-सा जनजातियों के एक केंद्रीय घटक के रूप में उभरा है। वर्तमान पेपर अध्ययन क्षेत्र आजीविका स्नैपशॉट को चित्रित करने के लिए केंद्रित है।

2.. <u>उद्देश्य वर्तमान</u> :- अध्ययन के उद्देश्य में शामिल हैं: निवास स्थान, अर्थव्यवस्था नेतरहाट में निवासियों के समाज सहित आजीविका का अध्ययन करने के लिए। पर्यटन प्रभाव की डिग्री की जांच करने के लिए।

3. <u>अध्ययन क्षेत्र:</u> नेतरहाट झारखंड राज्य के लातेहार जिले में महुआडांगर के ब्लॉक के अधिकार क्षेत्र में स्थित एक छोटा सा गांव है। यह राज्य के पश्चिमी भाग में 1

मीटर (3,514 फीट) की ऊंचाई पर स्थित है। सामाजिक-आर्थिक सर्वेक्षण दो अलग-अलग स्थानीय लोगों नेतरहाट गांव नामत पसेरीपाट (23°29'25.2"N, 84°15'16.8"E) और मोहनापत (23°28'46.7"N, 84°15'17.5"E) में आयोजित किया गया है।

Source: District Census Handbook, Latehar (2011)

4. *सामग्री और तरीके: नेतरहाट गांव के पासेरीपाट और मोहनापाट के इलाके में घरेलू सर्वेक्षण किया गया था, जिसमें 266 परिवारों में से 67 परिवारों को लिया गया था जो कुल परिवार का लगभग 25% है। अध्ययन क्षेत्र में बंद-समाप्त संरचित प्रश्नावली, ओपन-एंडेड प्रश्नावली और फोकस समूह चर्चा का उपयोग करके प्राथमिक डेटा एकत्र करके अध्ययन किया गया है। मात्रात्मक डेटा प्राप्त करने के लिए सर्वेक्षण करने के लिए, अनुसूचित प्रश्नावली तैयार की गई थी। सारणीबद्ध डे*

17.6% घरों में उनके बड़े परिवार के आकार के कारण 5 से अधिक कमरे हैं। लेकिन, 94% परिवारों के पास शौचालय की कोई सुविधा नहीं है और परिसर में अलग रसोई भी है। व्यक्तिगत घरेलू शौचालय कार्यक्रम, जो स्वच्छ भारत मिशन (एसडब्ल्यूएम) का एक घटक है, ने इसलिए कई बाधाओं का सामना किया है और उनमें से अधिकांश अभी भी कारणों के माहौल के लिए खुले मैदान को पसंद करते हैं। झारखंड सरकार यह सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है कि वर्ष 2019 तक, 100% विद्युतीकृत परिवार होगा, लेकिन 2018 तक, इसने केवल 57% हासिल किया, जो पिछले दो वर्षों में 47% था। नेतरहाट के मामले में, तालिका 4 से पता चलता है कि 44.8% घरों में बिजली कनेक्शन है और केवल 26.9% परिवारों के पास सब्सिडी सुविधा के साथ एलपीजी कनेक्शन है। प्राकृतिक वनस्पति की बहुतायत और कम जनसंख्या घनत्व के कारण, लगभग 88% परिवार ईंधन की लकड़ी पर भरोसा करते हैं जो पास के जंगल और गांव की भूमि से सामान्य संपत्ति संसाधन (सीपीआर) के रूप में एकत्र किया जाता है और कभी-कभी स्थानीय बाजार से खरीदता है। तालिका 4: आवास की विशेषताएं .... 6% घरों में उनके बड़े परिवार के आकार के कारण 5 से अधिक कमरे हैं। लेकिन, 94% परिवारों के पास शौचालय की कोई सुविधा नहीं है और परिसर में अलग रसोई भी है। व्यक्तिगत घरेलू शौचालय कार्यक्रम, जो स्वच्छ भारत मिशन (एसडब्ल्यूएम) का एक घटक है, ने इसलिए कई बाधाओं का सामना किया है और उनमें से अधिकांश अभी भी कारणों के माहौल के लिए खुले मैदान को पसंद करते हैं। झारखंड सरकार यह सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है कि वर्ष 2019 तक, 100% विद्युतीकृत परिवार होगा, लेकिन 2018 तक, इसने केवल 57% हासिल किया, जो पिछले दो वर्षों में 47% था। नेतरहाट के मामले में, तालिका 4 से पता चलता है कि 44.8% घरों में बिजली कनेक्शन है और केवल 26.9% परिवारों के पास सब्सिडी सुविधा के साथ एलपीजी कनेक्शन है। प्राकृतिक वनस्पति की बहुतायत और कम जनसंख्या घनत्व के कारण, लगभग 88% परिवार ईंधन की लकड़ी पर भरोसा करते हैं जो पास के जंगल और गांव की भूमि से सामान्य संपत्ति संसाधन (सीपीआर) के रूप में एकत्र किया जाता है और कभी-कभी स्थानीय बाजार से खरीदता है।

Table 4: Housing Characteristics of the study area		No. of family	% of Family	Variables		No. of family	% of Family
Variables						
Nature of house	Mud	34	50.7	Availability of LPG	Yes	18	26.9
	Semi Pucca	32	47.8		No	49	73.1
	Pucca	1	1.5	Reason for not using LPG	High rate	7	10.45
Roof Materials	Asbestos	4	6.0		Risk	6	8.96
	Tiles	63	94.0	Availability of Fuel wood		36	53.73
Wall Materials	Brick	21	31.3	Electricity	Yes	30	44.78
	Mud	46	68.7		No	37	55.22
Floor	Mud	65	97.0	Toilet & separate kitchen	Yes	4	5.97
	Concrete	2	3.0		No	63	94.03
Source of Fuel wood	Forest			48		71.6	
	Village Tree		7			10.4	
	Market		4			6.0	

Table 4: Housing Characteristics of the study area		No. of family	% of Family	Variables		No. of family	% of Family
Variables						
Nature of house	Mud	34	50.7	Availability of LPG	Yes	18	26.9
	Semi Pucca	32	47.8		No	49	73.1
	Pucca	1	1.5	Reason for not using LPG	High rate	7	10.45
Roof Materials	Asbestos	4	6.0		Risk	6	8.96
	Tiles	63	94.0	Availability of Fuel wood		36	53.73
Wall Materials	Brick	21	31.3	Electricity	Yes	30	44.78
	Mud	46	68.7		No	37	55.22
Floor	Mud	65	97.0	Toilet & separate kitchen	Yes	4	5.97
	Concrete	2	3.0		No	63	94.03
Source of Fuel wood	Forest		48		71.6		
	Village Tree		7		10.4		
	Market		4		6.0		

5. खाद्य आदत और स्वास्थ्य: स्वच्छ और सुरक्षित पेयजल और स्वच्छता की उपलब्धता विश्व स्तर पर प्रत्येक नागरिक के मौलिक अधिकार हैं। जन स्वास्थ्य की स्थिति पेयजल, अपशिष्ट निपटान, सीवरेज प्रणाली की सुविधा द्वारा बनाए रखी जाती है जो फिर से स्थानीय प्राधिकरण और रीति-रिवाजों द्वारा निर्देशित होती है। नेतरहाट के निवासी नल (85%) से आवश्यक आवश्यकता के अपने पीने के पानी को इकट्ठा करते हैं, इसके बाद ट्यूबवेल और पृथ्वी के कुएं [आंकड़ा: 6 (ए)]। केवल 6% घरों में अपनी पीने के पानी की सुविधा है, अन्य सामुदायिक नल पर निर्भर हैं। लेकिन आश्चर्य की बात यह है कि पानी की गुणवत्ता संतोषजनक है, केवल 29.9% परिवार किसी भी प्रकार के जल शोधन प्रणाली का उपयोग करते हैं। अपशिष्ट निपटान के मामले में, प्रबंधन प्रणाली बहुत असंगठित या खराब प्रकार की है। इन इलाकों के निवासी व्यक्तिगत डंपिंग ग्राउंड का उपयोग करते हैं या पास के कचरे में कचरा छोड़ देते हैं नेतरहाट के लोगों के पास अपनी विनम्रता के बारे में कोई बहाना नहीं है। वे विशेष रूप से शाकाहारी हैं। वे diffe में सूअर का मांस खाने के लिए पसंद करते हैं ...

Table 5: Food habits and Health of the study area

Variables	No. of families	% of family	Variables	No. of families	% of family
Source of Drinking Water	Community Tube well	57	85.0	Staple Food	Wheat	58	87.0
Tube well		4	6.0		Rice	9	13.0
Well		2	3.0	Mode of Treatment	Allopathic	25	37.3
Stream		4	6.0		Homeo	19	28.36

				pathic		
Water Treatment	Yes	6	8.9	Ayurbedic	23	34.33
No	61	91.1	Major Diseases	Malaria	34	50.57
Water purification system used	Boiling	15	22.4	Fever	26	38.81
Filter	4	6.0	Skin	2	2.99	
Aqua guard	1	1.5	Others	5	7.46	
None		47		70.1		
Place of waste disposal		Personal		26	38.9	
Wasteland		12		17.9		
Anywhere		29		43.2		

.6. आजीविका विशेषताएं: अध्ययन क्षेत्र में, स्वयं का सामुदायिक विवाह अक्सर उनके बीच बहुत आम है। लगभग 85.1% परिवार अपने समुदाय में अपनी शादी करते हैं, लेकिन 14.9% परिवार अन्य समुदाय में अपनी शादी करते हैं। पुरुष और महिला दोनों के लिए शादी की उम्र देश के संवैधानिक कानून के संबंध में समान है। ज्यादातर मामलों में, यह देखा गया कि विवाह की आयु पुरुष और महिला दोनों के लिए 19-26 वर्ष के बीच होती है। दहेज प्रणाली इस गांव में लगभग प्रचलित नहीं है (तालिका: 6). 56.7% परिवारों ने टीवी (19.4%), रेडियो (11.9%) और इंटरनेट का उपयोग (25.4%) जैसे सार्वजनिक मीडिया का अनुसरण किया है, लेकिन 43.3% परिवार किसी भी सार्वजनिक मीडिया तक नहीं पहुंचते हैं। मोटरसाइकिल (14.81%), रेफ्रिजरेटर, डीटीएच सुविधा इस गांव में बहुत असामान्य है। हालांकि, साइकिल (68.7%) अध्ययन में दैनिक परिवहन का मुख्य साथी है

Table 6: Livelihood Characteristics of the study area

Variables		No. of household	% of household
Marriage	Own community	57	85.1
	Others community	10	14.9
Dowry System	Yes	13	19.4
	No	54	80.6
Transportation	Bi-cycle	46	68.7
	Motor cycle	21	31.3
Amenities	Television	13	19.4
	Radio	8	11.9
	Users of Internet	17	25.4

7. अध्ययन क्षेत्र की समस्याएं: सर्वेक्षण गांव में कुछ नागरिक सुविधाओं (तालिका: 7) और समस्याओं की समग्र धारणा का पता चला है। निम्नलिखित प्रमुख समस्याओं को निम्नानुसार पहचाना गया है

परिवहन नेटवर्क बहुत खराब है। परिवहन वाहन के मामले में पहुंच भी बहुत कम है।

सड़कें चलने के लिए बहुत संकीर्ण हैं।

जैसा कि अधिकांश निवासी प्राथमिक गतिविधियों में शामिल हैं, इसलिए बेरोजगारी की समस्या धीरे-धीरे बढ़ रही है। अध्ययन क्षेत्र में लगभग 38% लोग निरक्षर हैं, जो क्षेत्रीय विकास के लिए मुख्य बाधा बन गए हैं।

प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र की कमी है। अस्पतालों और स्वास्थ्य केंद्रों में औषधीय आपूर्ति भी बहुत खराब है।

अधिकांश लोग अपने संवैधानिक अधिकारों और अवसरों के बारे में नहीं जानते हैं।

7 . नेतरहाट में पर्यटन: नेतरहाट झारखंड के प्रसिद्ध पर्यटन स्थलों में से एक है। यह गर्मियों के महीनों के दौरान अपने शानदार सूर्योदय और सूर्यास्त के लिए प्रसिद्ध है। नेतरहाट में पर्यटकों के आकर्षण के मुख्य स्थान मैगनोलिया प्वाइंट, अपर और लोअर गगरी फॉल्स, सदनी फॉल्स, लोध फॉल्स, नेतरहाट पहाड़ियां, पाइन वन, कोयल व्यू प्वाइंट 17 हैं। यद्यपि अधिकांश कामकाजी आबादी नेतरहाट में कृषि

आधारित आर्थिक गतिविधियों (72.97%) में लगी हुई है, लेकिन 6.08% निवासी पर्यटन आधारित गतिविधियों में भी लगे हुए हैं (तालिका 3)। नेतरहाट के पर्यटन क्षेत्र में स्थानीय निवासियों की सहभागिता इस क्षेत्र के विकास के लिए काफी आशाजनक है, हालांकि कुछ बाहरी लोग भी इस पर्यटन उद्योग में कार्यरत हैं। नेतरहाट के लगभग 86% पर्यटक मुख्य रूप से घरेलू हैं और वे पश्चिम बंगाल, बिहार, उत्तरांचल, उत्तर प्रदेश और झारखंड से ही आते हैं। नेतरहाट एक ही राज्य और एक ही जिले से घरेलू पर्यटकों का 6.9% और एक ही राज्य से घरेलू पर्यटकों का 3.68% साझा करता है, लेकिन बाहर। अध्ययन क्षेत्र की समस्याएं: सर्वेक्षण गांव में कुछ नागरिक सुविधाओं (तालिका: 7) और समस्याओं की समग्र धारणा का पता चला है। निम्नलिखित प्रमुख समस्याओं को निम्नानुसार पहचाना गया है: परिवहन नेटवर्क बहुत खराब है। परिवहन वाहन के मामले में पहुंच भी बहुत कम है। सड़कें चलने के लिए बहुत संकीर्ण हैं। जैसा कि अधिकांश निवासी प्राथमिक गतिविधियों में शामिल हैं, इसलिए बेरोजगारी की समस्या धीरे-धीरे बढ़ रही है। अध्ययन क्षेत्र में लगभग 38% लोग निरक्षर हैं, जो क्षेत्रीय विकास के लिए मुख्य बाधा बन गए हैं। प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र की कमी है। अस्पतालों और स्वास्थ्य केंद्रों में औषधीय आपूर्ति भी बहुत खराब है। अधिकांश लोग अपने संवैधानिक अधिकारों और अवसरों के बारे में नहीं जानते हैं।

Table 7: Perception of Civic Amenities in the Study area

Types of Problems	Response (% of family)			Types of Problems	Response (% of family)		
	Good	Moderate	Bad		Good	Moderate	Bad
Education	8	38	21	Waste	2	33	32
Health	0	56	11	Roads	14	30	23
Electricity	4	30	33	Sanitation	4	15	48
Drinking water	7	38	22	Transportation	5	27	35
Price	2	50	15	Entertainment	2	38	27

8. कुछ विचारोत्तेजक उपाय: यह क्षेत्र विभिन्न सामाजिक-आर्थिक बाधाओं तक ही सीमित है और इसलिए यह कई अवसरों से वंचित है। इसलिए. सरकार और विभिन्न संगठनों की सहायता के बिना इस क्षेत्र का समग्र विकास संभव नहीं है। निम्न प्रस्ताव अपनी वर्तमान स्थिति में सुधार करने का प्रयास कर सकते हैं

परिवहन नेटवर्क (किसी भी समुदाय के विकास के लिए मुख्य कुंजी), होटल विकास और चोटोनागपुर पठार की रानी की प्राकृतिक सुंदरता के लिए उचित विपणन के सुधार के साथ पर्यटन क्षेत्र में सुधार की आवश्यकता है।

चूंकि अध्ययन क्षेत्र में अधिकांश आबादी मुख्य रूप से कृषि गतिविधियों पर निर्भर है, इसलिए वृक्षारोपण और बाग विकास विशेष रूप से संतरे, नाशपाती, फूल आदि द्वारा अध्ययन क्षेत्र के भूमि उपयोग में सुधार करने की अपार संभावनाएं हैं। शुद्ध पेयजल सुविधा उपलब्ध कराने के लिए प्राकृतिक झरनों से परिष्कृत जल की व्यवस्था निकटतम स्थान से की जानी चाहिए।

प्रभावित लोगों पर बीमारियों का प्रसार और प्रभाव उनके कार्य दिवसों को कम करता है जिससे उनकी आय कम हो जाती है और जीवन स्तर टूट जाता है। इसलिए सक्रिय और अनुभवी कर्मचारियों के साथ एक प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र की आवश्यकता है।

इतनी कम मासिक आय में, उनके जीवन स्तर को बनाए रखना बहुत मुश्किल है। स्थिति तब बदतर होती है जब सूखे के उद्भव जैसी प्राकृतिक घटना होती है। इसलिए उनके व्यवसायों को सुरक्षित करने की आवश्यकता है। भविष्य के पर्यटन और इससे संबंधित औद्योगिक विकास के लिए स्वच्छता के साथ नागरिक सुविधाओं और सौंदर्यीकरण को विकसित करने के लिए तत्काल उपाय किए जाने चाहिए। आय और रोजगार में वृद्धि करके बदलती अर्थव्यवस्था और सामाजिक विकास पिछले तीन दशकों में पर्यटन उद्योग के नाटकीय विकास के कारण मुख्य बिंदु होना चाहिए.

नेतरहाट का भौगोलिक विवरण :—

नेतरहाट एक पहाड़ी पर्यटन-स्थल है। यह समुद्र सतह से 3622 फीट की ऊंचाई पर स्थित है। रांची से यह करीब १५० किलोमीटर की दूरी पर स्थित है। प्रकृति ने इसे बहुत ही खूबसूरती से संवारा है। यहाँ पर लोग सूर्योदय व

सूर्यास्त देखने आते हैं। यह नजारा नेतरहाट से करीब १० किमी की दूरी पर आकर्षक ढंग से देखा जा सकता है। इसके अलावा यहाँ घाघरी एवं लोअर घाघरी नमक दो छोटे-छोटे जलप्रपात भी हैं, जो प्रसिद्ध स्थल हैं।

'छोटा नागपुर की रानी' के नाम से प्रसिद्ध नेतरहाट झारखंड की राजधानी रांची से 156 किमी पश्चिम में लातेहार जिले में स्थित है। समुद तल से 3700 फीट की उंचाई पर स्थित नेतरहाट में गर्मी के मौसम में पर्यटकों की भारी भीड़ रहती है। वैसे तो सालो भर यहां ढंड का मौसम बना रहता है। यहां का सूर्योदय और सूर्यास्त देखने के लिए भी लोग आते है। घने जंगल के बीच बसे इस जगह की प्राकृतिक सुन्दरता देखते ही बनती है। पर्यटक यहां आने पर प्रसिद्ध नेतरहाट विद्यालय, लोध झरना, उपरी घाघरी झरना तथा निचली घाघरी झरना देखना नही भूलते है। झारखंड का दूसरा सबसे बड़ा फाल बरहा घाघ (466 फुट) नेतरहाट के पास ही है। नेतरहाट में वन विभाग की अनुमति के साथ शूटिंग भी किया जाता है। यहाँ कुछ भागों में बाघ बहुतों की संख्या में है। नेतरहाट के विकास के साथ यहाँ पर्यटक, शिकारी काफी आकर्षित हो रहे हैं। नेतरहाट एक बहुत महत्वपूर्ण पर्यटन स्थल है।

- क्षेत्रफल: 2479 वर्ग कि.मी.
- आबादी: 93.3113
- अनुसूचित जाति:12.76%
- अनुसूचित जनजाति: 12.4%
- पिछड़ा वर्ग: 47.24%

- अल्पसंख्यक : 19.1718.21%
- लिंग अनुपात :911
- प्रमण्डल: पलामू प्रमण्डल

नेतरहाट विद्यालय[

मुख्य लेख: नेतरहाट विद्यालय

प्रसिद्व नेतरहाट विद्यालय की स्थापना नवम्बर 1954 में हुई थी। राज्य सरकार द्वारा स्थापित और गुरुकुल की तर्ज पर बने इस स्कूल में अभी भी प्रतियोगिता परीक्षा के आधार पर नामांकन होता है। यहां के अनेक छात्र ने हरेक क्षेत्र में इस विद्यालय का नाम रौशन किया है। अभी भी छात्र के आय के हिसाब से ही इस विद्यालय में फीस ली जाती है। हिन्दी माध्यम के इस विद्यालय में अग्रेंजी और संस्कृत भी पढाया जाता है।

उपरी घाघरी झरना[

नेतरहाट से 4 किमी दूर यह जगह प्रसिद्व पिकनिक स्थल के रूप में जाना जाता है। यहां की प्राकृतिक सुन्दरता के बीच पिकनिक मनाने का अपना अलग ही मजा है।

निचली घाघरी झरना[

यहां से 10 किमी की दूरी पर घने जंगलों के बीच से गुजरती इस झरने की सुन्दरता देखते ही बनती है। 32 फीट की उंचाई से गिरते हुए इस झरने को देखने हजारों की संख्या पर्यटक गर्मी के दिनों में यहां आते है। यहां के

आस-पास के जंगल इतने घने है कि सूर्य की किरणें भी इसको पार नही कर पाती है।

लोध झरना

नेतरहाट से 60 किमी दूर स्थित यह झरना बुरहा नदी के पास स्थित है। 468 की उंचाई पर स्थित यह झरना झारखंड का सबसे उंचा झरना माना जाता है। कहा जाता है कि इस झरने की गिरने की आवाज आस-पास के 10 किमी दूर तक सुनाई देती है।

चीड़ वन[

नेतरहाट में चीड़ वन के बीच एक अभयारण्य है जो लोगों को इस भाग में आने के लिए उत्साहित करता है। कुछ समय पहले तक राज्यपाल इसे गर्मियों के स्थायी स्टेशन के रूप में इस्तेमाल किया करते थे। नेतरहाट का तापमान रांची की तुलना में पूरे वर्ष अच्छा रहता है। यह कहा जा सकता है कि यह स्थान पूरे झारखंड राज्य में सबसे ठंडा है। इस स्थान में की कृषि फार्म भी हैं।

आवागमन

वायुयान

निकटतम हवाई अड्डा रांची (156 किलोमीटर) इंडियन एयरलाइंस के विमान के साथ मुंबई, पटना, कोलकाता और नई दिल्ली से जुड़ा हुआ है। वायु मार्ग- बिरसा मुडा अंतर्राष्ट्रीय हवाई अडडा यहां से 154 किमी दूर

रांची में है। जहां से पटना, दिल्ली समेत अन्य जगहों के लिए उडाने उपलब्ध है।

रेल

निकटतम रेलवे स्टेशन रांची १५६ किलोमीटर रांची रेलवे स्टेशन से टैक्सी द्वारा यहां जाया जा सकता है।

सड़क

रांची से नेतरहाट के लिए प्रतिदिन बस सुविधा उपलब्ध है। रांची से रोजाना नेतरहाट के बस सेवा उपलब्ध है।

जलवायु

नेतरहाट की जलवायु जुलाई और अगस्त में बहुत अच्छी रहती है ओर नम नहीं होती है |गर्मियों के दिनों में नेतरहाट की जलवायु बहुत ठण्ड रहती है। यह पठार जंगलों से घिरा हुआ है और यहाँ 60 इंच से अधिक वर्षा प्रति वर्ष नहीं होती है। यहाँ वन में पाइन के पेड़ हैं। सेब और आड़ू के फल यहाँ हैं, लेकिन बहुत बड़े नहीं हैं |यह स्थान मलेरिया से मुक्त कर दिया गया है। यहाँ कई फूलों के पेड़ हैं विशेष रूप से कचनार और कैसिया प्रजाति के। सीजनल फूलों को पूरे वर्ष विकसित किया जा सकता है |

नदियाँ

नदियों की मुख्य धारा उत्तर से दक्षिण की ओर सोन नदी की ओर है, जो सीमा के उत्तरी भाग के जिलों में है |प्रमुख नदी कोयल और उसकी

सहायक नदियाँ औरंगा और अमानत है। इनमे कई छोटी शाखाएं भी हैं, जिनमें से अधिकांश हैं जो केवल पहाड़ ओर पत्थरों के बीच से गुजरती हैं।

नेतरहाट विद्यालय[

नवंबर,1954 में राज्य सरकार द्वारा इस स्थान पर एक पब्लिक स्कूल शुरू किया गया था, जहाँ प्रवेश सिर्फ योग्यता के आधार पर लिया जाता है। यहाँ माता- पिता के आय के अनुसार प्रवेश शुल्क लिया जाता है। यहाँ प्रवेश सीमा 10 -12 वर्ष है और लड़कों को उच्चतर माध्यमिक परीक्षा के लिए तैयार किया जाता है। यहाँ शिक्षा का माध्यम हिन्दी है लेकिन अंग्रेजी और संस्कृत में भी शिक्षा दी जाती है। कई शीर्ष के नौकरशाह और टेक्नोक्रेट इसी विद्यालय से पढ़ कर निकले है।

नेतरहाट

Netarhat

नेतरहाट में सूर्यास्त

नेतरहाट

झारखंड में स्थिति

निर्देशांक: 23.4833°N 84.2667°Eनिर्देशांक: 23.4833°N 84.2667°E

देश	भारत
प्रान्त	झारखण्ड
ज़िला	लातेहार ज़िला

जनसंख्या (2011)

• **कुल**	1,497

नेतरहाट

Netarhat

नेतरहाट में सूर्योदय

नेतरहाट

झारखंड में स्थिति

निर्देशांक: 23.4833°N 84.2667°E निर्देशांक: 23.4833°N 84.2667°E

देश — भारत

प्रान्त झारखण्ड

ज़िला लातेहार ज़िला

जनसंख्या (2011)

- **कुल** 1,497

भाषाएँ

झारखंड अपनी प्राकृतिक सौंदर्यता के लिए जाना जाता है। यहां के हरे भरे जंगल , पहाड़ियां , जलप्रपात , एवं नदियां भरपूर अपने पर्यटकों को अपनी ओर आकर्षित करता है । यहां पर स्थित कई मनोरम स्थल प्रकृति के असल खुबसूरती का प्रमाण पेश करती है और तो और **ऐतहासिक महत्व** को भी दर्शाती है ।

आज उन्ही में से एक घने पहाड़ों और घाटियों के बिच बसे एक खूबसूरत से जगह के बारे में जानेंगे। यह झारखण्ड का एक खूबसूरत हिल स्टेशन भी है। इसे Beautiful Hill Station of Jharkhand के श्रेणी में सबसे ऊपर रखा जाता है।

Table of Contents

- नेतरहाट : छोटा नागपुर की रानी
  - नेतरहाट के मुख्य पर्यटन स्थल
    - कोयल व्यू प्वाइंट (सनराइज प्वाइंट)
    - लोअर घघरी जलप्रपात

- अप्पर घघरी जलप्रपात
- मोहोलिया प्वाइंट (सनसेट प्वाइंट)
- नेतरहाट के सुहाने डगर
- लोध जलप्रपात
- नेतरहाट आवासीय विद्यालय
- नेतरहाट के बागान

नेतरहाट के मौसम

नेतरहाट पहुंचने के मार्ग

ठहरने की व्यवस्था

नेतरहाट : छोटा नागपुर की रानी

झारखंड की धरा पर प्रकृति की सबसे खुबसूरत भेंट नेतरहाट है । जिसे **छोटानागपुर की रानी** के नाम से भी जाना जाता है और **Netarhat : Hill Station of Jharkhand** के नाम से भी जाना जाता है । इस हिल स्टेशन के मनोहारी दृश्य यहां की **सूर्योदय एवं सूर्यास्त** का नज़ारा है ।

यहां **चीड़ के वन ,नेतरहाट डैम , नाशपाती और नख के बागान ,कोयल नदी का दृश्य** और कई झरनों की प्राकृतिक सुंदरता देखने योग्य है।

राजधानी **रांची** से **157 किमी** की दूरी पर पश्चिम में **नेतरहाट** को " **झारखंड की मल्लिका** " भी कहा जाता है ।जंगलों घिरा यह पठार समुद्र तल से **3700 फुट** की ऊंचाई पर स्थित है ।

नेतरहाट की उत्पत्ति

लातेहार जिले में स्थित **नेतरहाट** शब्द की उत्पत्ति " **नेचर हाट** " से हुई है । यह बाद में चल कर नेतरहाट बन गया । इसका क्षेत्र **2489 वर्ग मी** में फैला

हुआ है ।और यह **पलामू प्रमंडल** में आता है। नेतरहाट में पूरा विश्वभर में एक आकर्षण है जो आज भी बेजोड़ है । जिसे पर्यटक इसकी ओर खिंचे चले आते हैं।

।

आधुनिक विश्व के लिए नेतरहाट का इतिहास **ब्रिटिश** लोगों के आने के बाद प्रारंभ होता है। यहां के घरों के डिजाइन पर **ब्रिटिश परंपराओं** का बहुत गहरा प्रभाव पड़ा है ।

नेतरहाट के मुख्य पर्यटन स्थल

1. कोयल व्यू प्वाइंट (सनराइज प्वाइंट)
2. लोअर घघरी जलप्रपात
3. अप्पर घघरी जलप्रपात
4. मैग्नोलिया प्वाइंट (सनसेट प्वाइंट)
5. नतरहाट के सुहाने डगर
6. लोध जलप्रपात
7. नेतरहाट आवासीय विद्यालय
8. होटल " प्रभात विहार "

कोयल व्यू प्वाइंट (सनराइज प्वाइंट)

चूंकि **नेतरहाट** के **सूर्योदय** के समय बहुत महत्वपूर्णमाना जाता है । होटल **प्रभात विहार** के छत पर अधिकांश पर्यटक तकरीबन सुबह के 6:00 बजे इस अति मनमोहक दृश्य को देखने के लिए आ जाते हैं ।

सूर्य की किरणें पूरे क्षेत्र को लालिमा प्रदान करती है । यह नजारा प्राप्त कर पर्यटक काफी गौरवान्वित महसूस करते हैं।

लोअर घघरी जलप्रपात

नेतरहाट पहुंचते ही पर्यटको का स्वागत करते हुए लोअर घाघरी जलप्रपात सदा तत्पर रहती है । इसकी कल कल करती धारा मन को अलग ही सुकून देती है । शांत वातावरण में इन झरनों की आवाज काफी सुकूनदायक होती है ।

अप्पर घघरी जलप्रपात

ठीक कुछ दूर चलने पर अप्पर घघरी भी पर्यटकों को अपनी ओर आकर्षित करने में जरा भी कसर नही छोड़ती है ।लोअर घघरी और अप्पर घघरी जलप्रपात दोनों ही कोयल नदी पर बने हुए है ।

मैग्नोलिया प्वाइंट (सनसेट प्वाइंट)

इस जगह की काफी मशहूर और प्रसिद्ध कहानी किस्से सुनने को मिलते हैं। यह किस्सा मेगनोलिया और उसके प्रेमी का है जो एक दूसरे को काफी पसंद करते थे । इस ऊंचाई वाले स्थान पर आकर वे दोनों हर शाम एक दूसरे में खोए रहते थे ।

वहां की ढलते सूर्य को निहारने का आनंद की कुछ और है ।ढलते सूरज के ललिमाओं से भरे किरणें पूरे बादल को लाल कर देती है जो की बेहद आकर्षक होता है ।

माना जाता है की मैग्नोलिया और उनके प्रेमी का प्रेम किस्सा यही अमर हो गया था इसलिए इस जगह का नाम मैग्नोलिया प्वाइंट रखा गया है। इस जगह पर मैग्नोलिया की प्रतिमा भी लगाई गई है।

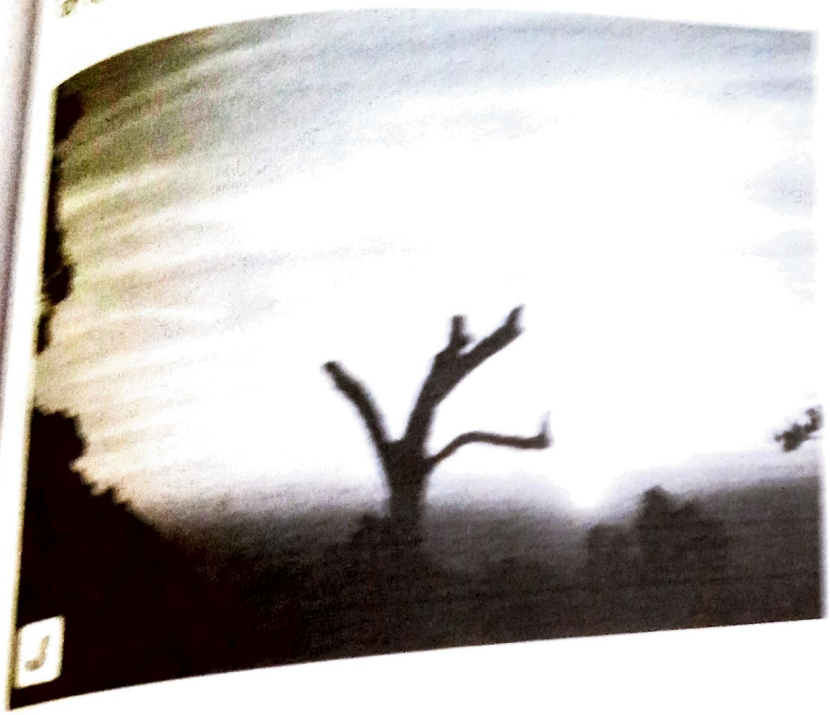

नेतरहाट के सुहाने डगर

नेतरहाट से लगभग **10 किमी** पहले बांगेसखुआ स्थान पड़ता है। जो की **नीतांबर पीताम्बर** का मुख्य द्वार भी है। यहां से एक ओर **बेतला** अभ्यारण्य तथा दूसरी ओर नेतरहाट जाया जा सकता है।

बांगे सखुआ में अपने सखुआ के पेड़ों से भरे पड़े हैं । इन जंगलों के बीच बीच में से छन कर आती सूर्य की किरणें आती लुभावन दृश्य को जागृत करती हैं ।

लोध जलप्रपात

ठीक नेतरहाट से 61 किमी की दूरी पर स्थित है लोध जलप्रपात । लोध फॉल झारखंड का सबसे ऊंचा जलप्रपात है ।इसकी ऊंचाई से गिरते पानी ऐसे लगता है मानो बादल से सीधे धरती पर बारिश हो रही हो । लोध जलप्रपात को बूढ़ा घाघ जलप्रपात के नाम से भी जाना जाता है ।

नेतरहाट का **मौसम** सालों भर **सुहाना** ही रहता है।

नेतरहाट आवासीय विद्यालय

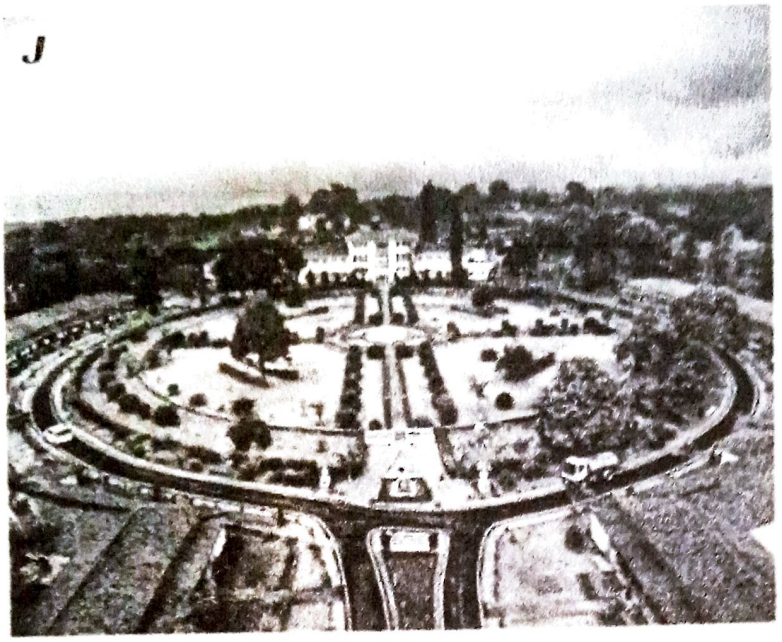

झारखंड के सभी प्रमुख विद्यालयों में से एक है नेतरहाट आवासीय विद्यालय । हर वर्ष यहां के छात्र छात्रा झारखंड के टॉपरों की सूची में शामिल होते हैं। नेतरहाट आवासीय विद्यालय में नामांकन करवाने के लिए पूरे झारखंड के साथ साथ झारखंड के पड़ोसी राज्यों से भी छात्र यहां पहुंचते हैं ।

चारों तरफ हरे भरे **वन** इस डैम की सुंदरता में **चार चांद** लगा देते हैं । **नेतरहाट** से सटे गांव भी इसकी सुंदरता को बढ़ावा देते हैं । यहां के लोग एक गाइड के रूप में पर्यटक को को गाइड कर रोजगार करते हैं।

नेतरहाट की खूबसूरती को बढ़ाने में यहां के **नाशपाती के बागान , नख के बागान** , और अधिकांश हिल स्टेशनों में मिलने वाले **चीड़ के पेड़** एक खास अदा निभाते हैं । यहां के वनों की भी नेतरहाट की खूबसूरती को बढ़ाने में अहम योगदान है ।

नेतरहाट के मौसम

यह जगह सालों भर अपने **मौसम** के कारण भी जाना जाता है । गर्मी के महीनों में भी यहां अत्यधिक गर्मी का एहसास नहीं होता है । यहां पर **जून से लेकर सितंबर** तक वर्षा होती है । जिससे यहां का मौसम बड़ा ही **खुशनुमा** होता है । और पूरे नेतरहाट का तापमान 20 – 25 °C के आस पास ही रहता है जो की पर्यटकों को खूब लुभात है ।

नेतरहाट पहुंचने के मार्ग

नेतरहाट के लिए रांची से **बस , टैक्सी** से जाया जा सकता है ।पर्यटक इस प्राकृतिक पर्यटन स्थल तक पहुंचने के लिए अपने **निजी वाहन** का भी प्रयोग करते हैं । जो भी पर्यटक **सड़क मार्ग** से जाना चाहते हैं उन्हें झारखंड की वन अभ्यारण्य **की असली** खुबसूरती नज़र देखने का अनुभव होगा । सड़को के दोनों ओर हरे भरे पेड़ मन को धीमे धीमे अपनी ओर आकर्षित करते हैं ।

रांची से **लोहरदगा** होते हुए लगभग **102 किमी** पर स्थित **घाघरा चौक** से दाहिनी तरफ से नेतरहाट की दूरी लगभग **55 किमी** है । रास्ते में आने वाले **ग्रामीण क्षेत्र** की बस्तियों का नज़ारा भी **मनमोहक** लगता है ।

नेतरहाट

नेतरहाट झारखण्ड राज्य के रांची नगर से 154 किमी की दूरी पर पश्चिम दिशा में स्थित है और घने वनों से ढका हुआ है। यह एक सुन्दर पहाड़ी स्थल है, जिसे 'क्वीन ऑफ़ छोटानागपुर' के नाम से भी जाना जाता हैं। इस स्थान से कर्क रेखा भी गुजरती है। नेतरहाट झारखण्ड राज्य का वह स्थान है, जहाँ राज्य की सबसे ज़्यादा वर्षा होती है।

- नेतरहाट राज्य का सबसे ठंडा स्थल है।
- नेतरहाट समुद्र तल से 3700 फीट की ऊंचाई पर स्थित है और नेतरहाट गर्मी के मौसम के दौरान रहने के लिए एक सुंदर स्थान है।
- नेतरहाट की प्राकृतिक छटा, सुन्दर जलवायु न केवल स्वास्थ्यवर्धक है बल्कि छुट्टिया बिताने के लिए भी एक उपयुक्त स्थल है।
- राज्य के विभिन्न स्थानों से यहाँ पर बसों द्वारा आने-जाने की सुविधा उपलब्ध है।
- आम तौर पर नेतरहाट में लोग मनोहारी सूर्योदय और सूर्यास्त देखने के लिए आते हैं।
- घने जंगल के बीच बसे इस जगह की प्राकृतिक सुन्दरता देखते ही बनती है।
- पर्यटक नेतरहाट आने पर प्रसिद्ध नेतरहाट विद्यालय, लोध झरना, उपरी घाघरी झरना तथा निचली घाघरी झरना देखना नहीं भूलते है।

निष्कर्ष:

अध्ययन क्षेत्र में, यह देखा गया है कि आजीविका विशेषताओं में से कुछ पर्यटन आधारित हैं और कुछ विशेषताएं लंबे समय से स्थिर हैं। कम मासिक आय और कम प्रति व्यक्ति मजदूरी अध्ययन क्षेत्र की अर्थव्यवस्था के प्रवाह स्तर के संकेतकों में से एक है। मिट्टी की दीवार और टाइल वाली छत के साथ फर्श ने उनकी प्रकृति-आधारित जीवन शैली देखी। स्वच्छता, खराब चिकित्सा सुविधाओं, शिक्षा की कमी, अपशिष्ट निपटान और बेरोजगारी जैसी समस्याओं ने क्षेत्र को पिछड़ा कर रख दिया है। हालांकि नेतरहाट आमतौर पर नेतरहाट आवासीय विद्यालय के लिए प्रसिद्ध है लेकिन इसके अलावा आसपास के क्षेत्र में शैक्षणिक संस्थानों की कमी है। पहाड़ इलाके और किसी भी सिंचाई से रहित बहुत खराब मिट्टी की स्थिति के कारण कृषि का पैटर्न प्रकृति में निर्वाह है। इसलिए यह स्पष्ट है कि पर्यटन उद्योग को छोड़कर अन्य प्राथमिक गतिविधियां संभव नहीं हैं जो उनकी आजीविका को बनाए रखने में मदद करती हैं लेकिन यह नेतरहाट के स्थानीय अधिकारियों द्वारा भारी निवेश की मांग करती है। जैसा कि नेतरहा

संदर्भ:

1. झारखंड सरकार, "झारखंड विजन एंड एक्शन प्लान 2021", योजना विभाग सह वित्त, व्यापक दस्तावेज। 2018; 1: 17-19.

2. भारत की जनगणना, "जिला जनगणना पुस्तिका लातेहार", जनगणना संचालन निदेशालय झारखंड। 2011; 21 (Xii-B): 76.

3. अंतर्राष्ट्रीय विकास विभाग (DFID), "DFID सतत आजीविका मार्गदर्शन पत्रक", अक्टूबर 2001, लंदन.

4. अली ई, और बासक ए, "जलपाईगुड़ी जिले के गरल बारी ग्राम पंचायत में ओराओन जनजाति की सामाजिक आर्थिक स्थिति", पश्चिम बंगाल, इंटरनेशनल जर्नल ऑफ रिसर्च एंड एनालिटिकल रिव्यू। 2018; 5 (2): 2137-2146.